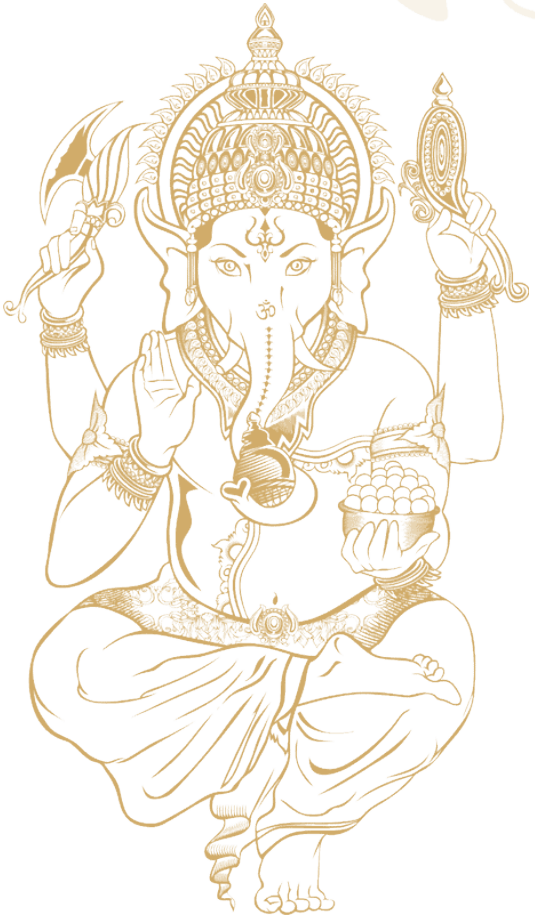

Mr.Anuradha

31 Aug 2025

06:05 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119368706

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/08/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**06:05:00 घंटे**
इष्ट	00:15:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:43:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:19 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:40 घंटे
सूर्योदय	05:58:42 घंटे
सूर्यास्त	18:43:32 घंटे
दिनमान	12:44:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:40:10 सिंह
लग्न के अंश	14:12:05 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:12:05	314:46:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	13:40:10	00:58:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	11:00:04	11:55:58	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल			कन्या	21:03:49	00:38:54	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			सिंह	01:01:07	01:50:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	23:28:47	00:10:52	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:10:16	01:11:59	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:52:26	00:04:07	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	24:11:02	00:00:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	24:11:02	00:00:16	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:13:51	00:00:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:10:09	00:01:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:34:35	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृष	13:00:54	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:00

लग्न-चलित

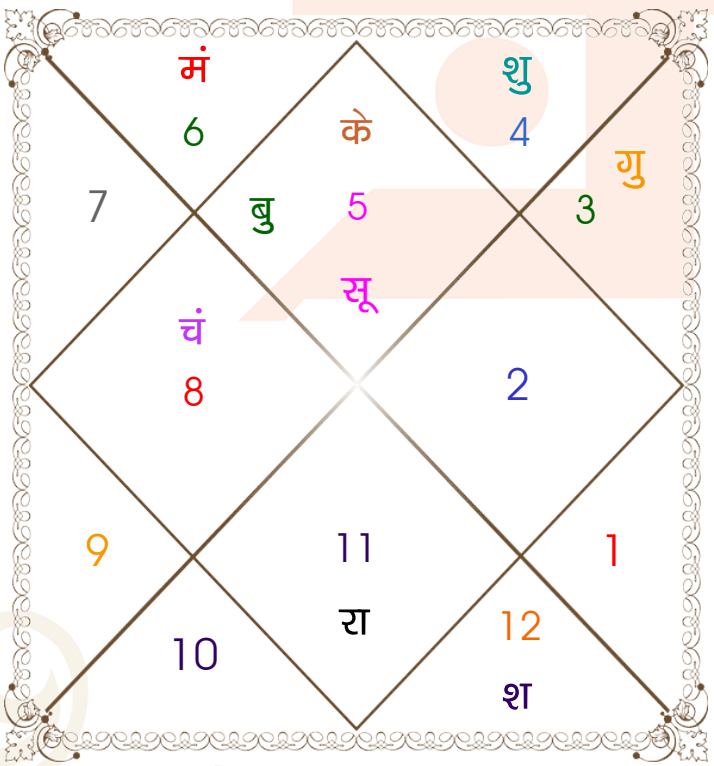

चन्द्र कुंडली

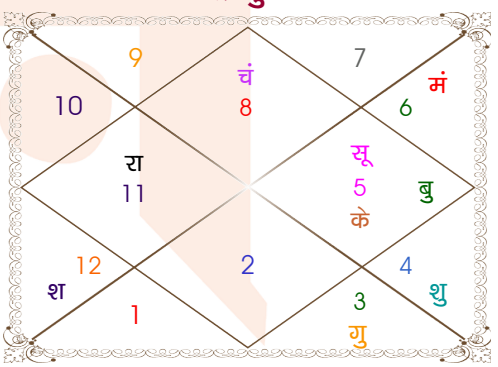

नवमांश कुंडली

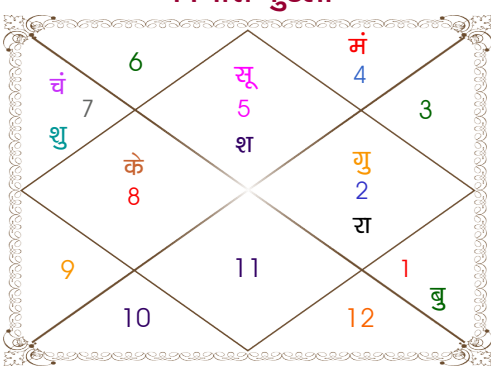

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 0 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/08/2025		27/09/2033		27/09/2050		27/09/2057		27/09/2077	
27/09/2033		27/09/2050		27/09/2057		27/09/2077		27/09/2083	
	00/00/0000	बुध	23/02/2036	केतु	23/02/2051	शुक्र	26/01/2061	सूर्य	14/01/2078
	00/00/0000	केतु	19/02/2037	शुक्र	24/04/2052	सूर्य	26/01/2062	चंद्र	16/07/2078
	00/00/0000	शुक्र	21/12/2039	सूर्य	30/08/2052	चंद्र	27/09/2063	मंगल	21/11/2078
	00/00/0000	सूर्य	27/10/2040	चंद्र	31/03/2053	मंगल	26/11/2064	राहु	15/10/2079
	31/08/2025	चंद्र	28/03/2042	मंगल	27/08/2053	राहु	27/11/2067	गुरु	03/08/2080
चंद्र	31/03/2027	मंगल	25/03/2043	राहु	15/09/2054	गुरु	28/07/2070	शनि	16/07/2081
मंगल	09/05/2028	राहु	12/10/2045	गुरु	22/08/2055	शनि	27/09/2073	बुध	22/05/2082
राहु	16/03/2031	गुरु	18/01/2048	शनि	29/09/2056	बुध	27/07/2076	केतु	27/09/2082
गुरु	27/09/2033	शनि	27/09/2050	बुध	27/09/2057	केतु	27/09/2077	शुक्र	27/09/2083

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/09/2083		27/09/2093		27/09/2100		28/09/2118		28/09/2134	
27/09/2093		27/09/2100		28/09/2118		28/09/2134		00/00/0000	
चंद्र	27/07/2084	मंगल	23/02/2094	राहु	11/06/2103	गुरु	15/11/2120	शनि	01/10/2137
मंगल	26/02/2085	राहु	13/03/2095	गुरु	03/11/2105	शनि	29/05/2123	बुध	10/06/2140
राहु	27/08/2086	गुरु	17/02/2096	शनि	09/09/2108	बुध	03/09/2125	केतु	20/07/2141
गुरु	27/12/2087	शनि	28/03/2097	बुध	29/03/2111	केतु	10/08/2126	शुक्र	18/09/2144
शनि	28/07/2089	बुध	25/03/2098	केतु	16/04/2112	शुक्र	10/04/2129	सूर्य	31/08/2145
बुध	27/12/2090	केतु	21/08/2098	शुक्र	17/04/2115	सूर्य	27/01/2130	चंद्र	01/09/2145
केतु	28/07/2091	शुक्र	21/10/2099	सूर्य	10/03/2116	चंद्र	29/05/2131		00/00/0000
शुक्र	28/03/2093	सूर्य	26/02/2100	चंद्र	09/09/2117	मंगल	04/05/2132		00/00/0000
सूर्य	27/09/2093	चंद्र	27/09/2100	मंगल	28/09/2118	राहु	28/09/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 0 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।